दिल्ली पब्लिक स्कूल, जम्मू

सत्र : 2018–19

अभ्यास–पत्र

कक्षा : नवमीं

विषय : हिंदी

सामान्य निर्देश :–

- सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार दें।
- प्रश्नों के उत्तर देते हुए शब्दों की संख्या अनावश्यक न बढ़ाएँ।

खंड–क (अपठित बोध)

प्र1) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :–

आज मनुष्यता की समस्याएँ दो तरह की हैं, एक सर्वव्यापी, जो सभी राज्यों और राष्ट्रों के लिए हैं, दूसरी उन राज्यों और राष्ट्रों की अपनी–अपनी। पहली कोटि की समस्याएँ सूक्ष्म और स्थूल दोनों किस्म की हैं। राज्य और राष्ट्र की सीमाओं के पार स्वयं मनुष्यता, उसकी वेदना, दुर्भाग्य, दरिद्रता और तनाव का संकट है। एक दूसरा संकट धर्म की, संस्कृति की, जीवन शैली की, विशेष मूल्यबोधों की सीमाओं का है। उन पर या तो ज़रूरत से ज़्यादा जोर दिया जा रहा है, या फिर एकदम से नज़रअंदाज ही कर दिा जा रहा है। इसे समस्त मनुष्यता का मनोवैज्ञानिक संकट कहा जा सकता है। समस्या उचित मानवीय संबंधों की है जिसे समानता के आधार पर बनना है। अमर्त्य सेन का कहना है कि आगे राष्ट्रों और राज्यों का उत्थान–पतन इस समस्या के विजन पर निर्भर करेगा। राज्यो और राष्ट्रों के आपसी संबंधों की ठोस समस्या दो तरह की है– एक अंतर्राष्ट्रीयता की, दूसरी सह–संबंध और अंतःप्रक्रिया की। अंतर्राष्ट्रीय एकता के रास्ते में तीन कठिनाइयाँ हैं। एक है शक्तिशाली अनुदार, प्रतिक्रियावादी समूहजनित, जो अपने अतीत को अधिक से अधिक अनुरक्षित रखना चाहते हैं। इन समूहों के पास शक्ति तो बहुत है पर दूरदृष्टि यानी विजन नहीं है। दूसरी कठिनाई तमाम तरह की फैनेटिकल विचारधाराओं की है। तीसरी कठिनाई लोगों के ऐसे समूहों की है, जो फिर्स युद्ध के बाद कुछ दिनों तक ही शांति और आर्थिक डिसास्टर के बाद सुरक्षा की कामना करते हैं। सफलता के बाद यह 'विजन' पूरी तरह से बाधित हो गया है।

क) प्रस्तुत गद्यांश में किस विषय पर चर्चा की गई है?

ख) 'मनुष्यता का मनोवैज्ञानिक संकट' से लेखक का क्या तात्पर्य है?

ग) अंतर्राष्ट्रीय के मार्ग में कौन–कौन सी कठिनाइयाँ आती है?

घ) प्रतिक्रियावादी समूह किसे कहा गया है? क्यों?

ङ) गद्यांश के अनुसार मनुष्यता को किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है?

प्र2) निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :–

कोटि–कोटि नंगों भिखमंगों के जो साथ,

खड़े हुए हैं कंधा जोड़े, उन्नत माथ

शोषित जन के, पीड़ित जन के कर को थाम,

बढ़े जा रहे उधर जिधर हैं मुक्ति प्रकाम।

ज्ञात और अज्ञात मात्र ही जिनके नाम।

वंदनीय उन सत्पुरुषों को सतत प्रणाम।

जिनके गीतों के पढ़ने से मिलती शांति,

जिनकी तीनों के सुनने से झिलती भ्रांति,

छा जाती मुखमंडल पर यौवन की कांति।

जिनकी टेकों पर टिकने से टिकती क्रांति।

मरण मधुर बन जाता है जैसे वरदान,

अधरों पर खिल जाती है, मादक मुसकान।

क) पीड़ित जन के हाथों को थाम कर ऊँचा सिर किए बढ़े जा रहे लोग कौन हैं और कहाँ जा रहे हैं?

ख) काव्यांश में किनकी वंदना और प्रशंसा वर्णित है?

ग) दीनों के हितैषी लोगों का मरण भी किस रूप में बदल जाता है?

<u>खंड–ख (व्यावहारिक व्याकरण)</u>

प्र3) क) निम्नलिखित शब्दों का वर्ण–विच्छेद करें :–

(i) मिट्टी (ii) अभद्र

ख) निम्नलिखित शब्दों में अनुस्वार का प्रयोग करें :–

(i) निरतर (ii) पकज

ग) निम्नलिखित शब्दों में अनुनासिक का प्रयोग करें :–

(i) चादनी (ii) फुकार

घ) निम्न शब्दों में नुक्ते का प्रयोग करें :–

(i) जमीन (ii) फन

प्र4) क) निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्द व प्रयुक्त उपसर्ग को अलग–अलग करके लिखिए :–

(i) विशिष्ट (ii) लाजवाब

ख) निम्नलिखित शब्द में से मूल शब्द व प्रत्यय को अलग करके लिखिए :–

(i) ज़ोरदार

ग) निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम–चिह्न लगाइए :–

(i) महात्मा गांधी ने कहा सत्य ही ईश्वर है

(ii) अर्थशास्त्र कहता है आवश्यकता आविष्कार की जननी है

(iii) तुम्हें यहाँ अच्छा लग रहा है न मैं जानता हूँ

प्र5) क) निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए –

(i) अभि + अर्थी (ii) परि + आवरण

ख) निम्नलिखित शब्दों में संधि–विच्छेद कीजिए –

(i) रेखांकित (ii) गंगोर्मि

खंड–ग (पाठ्यपुस्तक)

प्र6) पठित पाठों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :–

क) लड़के को बचाने के लिए बुढ़िया माँ ने क्या–क्या उपाय किए?

ख) लेखिका ने शेरपा कुली को अपना परिचय किस तरह दिया?

ग) सत्कार की ऊष्मा समाप्त होने पर क्या हुआ?

प्र7) कौन–सा आघात अप्रत्याशित था औरा उसका लेखक पर क्या प्रभाव पड़ा?

अथवा

''एवरेस्ट जैसे महान अभियान में खतरों को और कभी–कभी तो मृत्यु भी आदमी को सहज भाव से स्वीकार करनी चाहिए।'' का आशय स्पष्ट कीजिए।

प्र8) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–

क) 'जहाँ काम आवे सुई, कहा करे तरवारि', पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

ख) सुखिया के पिता पर कौन–सा आरोप लगाकर उसे दंडित किया गया?

ग) रैदास ने भगवान और भक्त की तुलना किन–किन चीज़ों से की है?

प्र9) 'आदमी नामा' कविता को पढ़कर आपके मन में मनुष्य के प्रति क्या धारणा बनती है?

अथवा

'मोती, मानुष, चून' के संदर्भ में पानी के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

प्र10) 'फल तो किसी दूसरी शक्ति पर निर्भर है' पाठ के संदर्भ में आशय स्पष्ट कीजिए।

अथवा

सोनजूही की लता के नीचे बनी गिल्लू की समाधि से लेखिका के मन में किस विश्वास का जन्म होता है?

खंड–घ (लेखन)

प्र11) दिए गए संकेत बिदुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए :–

क) हिमालय का सौंदर्य

संकेत बिंदु :– ◆ आकृति और स्थिति ◆ महानता एवं सौंदर्य ◆ लाभ

ख) मीडिया और उसका प्रभाव

संकेत बिंदु :– ◆ मीडिया की भूमिका ◆ सही मार्गदर्शन ◆ समाज के प्रति दायित्व

ग) स्मार्ट क्लास की उपयोगिता

संकेंत बिंदु :– ◆ छात्रों की अधिक सक्रियता ◆ कम समय में अधिक जानकारी
◆ छात्रों पर प्रभाव और दायित्व

प्र12) विलुप्त होते जीवों की प्रजातियों को संरक्षण देने की सलाह देते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।

प्र13) दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर मन में उभरे विचारों का 20–30 शब्दों में अपनी भाषा में प्रस्तुत कीजिए। विचारों का वर्णन स्पष्ट रूप में चित्र से सही संबद्ध होना चाहिए–

प्र14) आठवीं कक्षा के प्रेम तथा प्रियांश के बीच 'सामाजिक अध्ययन विषय का उपयोगिता' पर होने वाले संवाद को लगभग 50 शब्दों में अपनी भाषा में प्रस्तुत कीजिए।

प्र15) आपके मोहल्ले में छह मकान बिकाऊ हैं। इससे संबंधित 25–50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।